'वह एक महान खिलाड़ी के साथ विनम्र व्यक्ति भी है। हम सभी भाग्यशाली थे कि हमें उसके साथ खेलने का मौका मिला और हमने उससे बहुत कुछ सीखा। वह सभी के लिए एक आदर्श है। सिर्फ मैं ही नहीं, बल्कि (महेन्द्र सिंह) धोनी, (विराट) कोहली, रोहित शर्मा और सभी दूसरे खिलाड़ियों उनका नाम लेते हैं।'' – मोहम्मद कैफ

पूर्व भारतीय बल्लेबाज, सचिन तेंदुलकर के बारे में।

खेल जगत

आज का खिलाड़ी

अजिंक्ये रहाणे

अजिंक्य रहाणे ने अपने आक्रामक तेवरों के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में इस बार सभी को चौंकाया है और उन्होंने इसका श्रेय चेन्नई सुपर किंग्स के करिश्माई कप्तान महेंद्र सिंह धोनी को दिया। रहाणे ने कहा,'' मैं आपको एक ही चीज कह सकता हूं.... मैंने वास्तव में अपनी पारी का भरपूर आनंद लिया। मैं वास्तव में बहुत खुश हूं कि हमने यह मैच जीता।'' रहाणे ने धोनी को श्रेय देते हुए कहा कि उन्हें केवल मौके की जरूरत थी और भारत के विश्वकप विजेता कप्तान ने उन्हें फॉर्म में वापसी के लिए यह मौका दिया।

क्या आप जानते हैं ?... अपनी टेस्ट जीवन की पहली श्रृंखला में सर्वाधिक रन बनाने का रिकॉर्ड भारत के सुनील गावस्कर के नाम है। गावस्कर ने 1970-71 में वेस्टइंडीज के खिलाफ 774 रन बनाए।

एशिया कप से बाहर हो सकता है पाकिस्तान

श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान हाइब्रिड मॉडल पर सहमत नहीं

लाहौर, 7 जून। सितंबर में होने वाले एशिया कप से पाकिस्तान बाहर हो सकता है। श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान के हाइब्रिड मॉडल में आयोजन करने से मना कर देने के बाद पाकिस्तान के पास एशिया कप से बाहर जाने के अलावा कोई रास्ता नहीं बचा। दरअसल एशिया कप की मेजबानी इस बार पाकिस्तान के पास थी, लेकिन सुरक्षा कारणों से भारत ने पाकिस्तान जाने से मना कर दिया। इसके बाद पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड ने हाइब्रिड मोड में यानी 3-4 मैच पाकिस्तान और बाकी के किसी और देश में कराने की योजना पेश की, लेकिन श्रीलंका, बांग्लादेश और अफगानिस्तान इसके लिए तैयार नहीं हुए। हालांकि उन्होंने पाकिस्तान से बाहर अन्य किसी एशियाई देश को एशिया कप की मेजबानी देने पर सहमति जता दी है। अध्यक्ष नजम सेठी क्रिकेट मैनेजमेंट कमेटी के सदस्यों और सरकारी अधिकारियों के संपर्क में हैं। सेठी कहते रहे हैं कि अगर पाकिस्तान में एशिया कप का कोई भी मैच नहीं खेला जाता है तो पाकिस्तान एशिया कप नहीं खेलेगा। संभव है कि यह आयोजन अब श्रीलंका में हो। पाकिस्तान के इस टूर्नामेंट में नहीं खेलने पर एशिया कप के प्रसारणकर्ता दोबारा से प्रसारण की शर्तें और कीमतें तय करेंगे।

सिंगापुर ओपन : सात्विक-चिराग पहले चरण में उलटफेर का शिकार

सिंगापुर, 7 जून। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी बुधवार को सिंगापुर ओपन 2023 के पहले चरण में जापान के अकीरा कोगा और टाइची साइतो से हारकर प्रतियोगिता से बाहर हो गयी। कोगा-साइतो ने 68 मिनट चले मुकाबले में सात्विक-चिराग को 21-18, 14-21, 21-18 से हराकर उलटफेर का शिकार किया। यह सात्विक-चिराग के खिलाफ जापानी युगल का दूसरा मुकाबला था और उन्होंने इस बार पिछली हार का हिसाब चुकता कर लिया। दूसरी ओर, त्रिशा जॉली और गायत्री पुलेला गोपीचंद की महिला युगल जोड़ी को भी पहले चरण में हॉन्ग कॉन्ग की यूंग एनजीए टिंग और यूंग पुइ लाम के हाथों हार का सामना करना पड़ा। भारतीय जोड़ी ने पहला गेम गंवाने के बाद कड़ा संघर्ष किया, लेकिन वह 66 मिनट चले मुकाबले में 14-21, 21-18, 19-21 की हार नहीं टाल सकीं। सिंगापुर ओपन में गुरुवार को किदांबी श्रीकांत और प्रियांशु राजावत पुरुष एकल के दूसरे चरण में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की भारतीय जोड़ी पुरुष युगल प्रतियोगिता में अपना अभियान आगे बढ़ाएंगी।

भारतीय पैडल संघ से जुड़े पुलेला गोपीचंद

बेंगलुरु, 7 जून। तेजी से विकसित हो रहे खेल पैडल को भारत में बढ़ावा देने के लिये भारतीय पैडल संघ (आईपीएफ) ने दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी और कोच पुलेला गोपीचंद को अपना सलाहकार नियुक्त किया है। संघ ने बुधवार को इस साझेदारी की घोषणा करते हुए एक विज्ञिप्त में कहा कि वह इस खेल को दुनिया में अभूतपूर्व ऊंचाइयों तक ले जाने के लिये तैयार है। गोपीचंद ने इस साझेदारी पर कहा, ''मैं एक सलाहकार के रूप में भारतीय पैडल संघ से जुड़कर रोमांचित हूं। पैडल जबरदस्त क्षमता वाला एक रोमांचक खेल है, और मैं इसे नयी ऊंचाइयों तक ले जाने के लिये अनुभव का उपयोग करने के लिये प्रतिबद्ध हूं। इस साझेदारी के माध्यम से हमारा उद्देश्य एक जीवंत पारिस्थितिकी तंत्र बनाना, प्रतिभा का पोषण करना और पैडल खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करना है।'' दुनिया भर में तेजी से विकसित हो रहे खेल पैडल ने इससे पहले बीडब्ल्यूएफ विश्व बैडमिंटन चैंपियनशिप की पूर्व कांस्य पदक विजेता सुप्रिया देवगन का ध्यान आकर्षित किया था, जो अब एक प्रमुख बोर्ड सदस्य के रूप में आईपीएफ में शामिल हैं।

फ्रेंच ओपन : सेमीफाइनल में पहुंची हद्दाद मैया, स्वियातेक

पेरिस, 7 जून। बीट्रिज़ हद्दाद मैया बुधवार को क्वार्टरफाइनल में ट्ययूनीशिया की ओन्स जब्योर को हराकर फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में प्रवेश करने वाली पहली ब्राज़ीलियन महिला बन गयीं। कोर्ट फिलिप चैट्रियर पर खेले गये मुकाबले में हद्दाद मैया ने जब्योर को दो घंटे 29 मिनट में 3-6, 7-6(5), 6-1 से मात दी। सेमीफाइनल में हद्दाद मैया का सामना गुरुवार को पोलैंड की इगा स्वियातेक से होगा, जो एकतरफा क्वार्टरफाइनल में अमेरिका की कोको गौफ को 6-4, 6-2 से हराकर आ रही हैं। हद्दाद मैया किसी ग्रैंड स्लैम आयोजन के सेमीफाइनल में पहुंचने वाली दूसरी ब्राज़ीलियन महिला भी हैं। ओपन एरा में उनसे पहले सिर्फ मारिया बुएनो (1968) ने अमेरिकी ओपन के सेमीफाइनल में ब्राज़ील का प्रतिनिधित्व किया है। रोला गैरों से पहले हद्दाय मैया ने न तो किसी ग्रैंड स्लैम प्रतियोगिता के दूसरे चरण से आगे कदम रखा था और न ही जब्योर के खिलाफ एक भी सेट जीता था। क्वार्टरफाइनल के पहले सेट में भी जब्योर ने ही बाज़ी मारी, लेकिन हद्दाद मैया ने शानदार वापसी करते हुए जीत अपने नाम कर ली। पहला सेट गंवाने के बाद हद्दाद मैया ने मजबूत सर्विस की। जब मुकाबला 5-5 पर बराबर था तब जब्योर ने दो ब्रेक पॉइंट अर्जित किये, लेकिन हद्दाद मैया ने दोनों बार ही उन्हें जीतने नहीं दिया। तीसरे सेट में हद्दाद मैया ने तेजी के साथ 3-0 की बढ़त बनाई, लेकिन जब्योर ने भी संघर्ष करते हुए एक गेम अपने नाम किया। जब हद्दाद मैया 5-1 से आगे थीं तब जब्योर ने सर्व करते हुए चार अप्रत्याशित गलतियां कीं, जिन्होंने हद्दाद मैया को सेमीफाइनल में पहुंचा दिया।

डब्ल्यूटीसी फाइनल के पहले दिन ऑस्ट्रेलिया ने 327 रन बनाए

लदंन, 7 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैम्पियनशिप (डब्ल्यूसी) के फाइनल का पहला दिन ऑस्ट्रेलिया के नाम रहा है। द ओवल मैदान पर ऑस्ट्रेलियाई टीम ने स्टंप्स तक तीन विकेट पर 327 रन बना डाले हैं। ट्रेविस हेड 146 और स्टीव स्मिथ 95 रन पर नाबाद हैं। दोनों चौथे विकेट के लिए 251 रन की पार्टनरशिप कर चुके हैं। हेड करियर का 5वां शतक जमाया। वे फाइनल में शतक जमाने वाले पहले बल्लेबाज बने। स्टीव स्मिथ 38वीं फिफ्टी बनाकर नाबाद हैं। दिन की शुरुआत में भारतीय टीम ने टॉस जीतकर गेंदबाजी करने का फैसला लिया।

टॉस हारकर बल्लेबाजी करने उतरी ऑस्ट्रेलियाई टीम को शुरुआती झटके लगे। टीम ने 2 रन के स्कोर पर उस्माान ख्वाजा का विकेट गंवाया। यहां ख्वाजा जीरो पर आउट हुए। ख्वाजा के आउट होने के बाद डेविड वार्नर (43 रन) ने मार्नस लाबुशेन (26 रन) के साथ अर्धशतकीय साझदारी कर पारी को संभाला।

पहले दिन के पहले सेशन में भारतीय गेंदबाजों का दबदबा रहा। कंगारू टीम ने 73 रन बनाने में 2 विकेट गंवा दिए हैं। ठीन ट्रैक पर शमी-सिराज की जोड़ी ने स्विंग से अपना जलवा दिखाया और चौथे ओवर की चौथी बॉल पर टीम को पहली सफलता मिल गई। यहां सिराज ने ख्वाजा को पवेलियन भेजा। 2 रन के स्कोर पर पहला विकेट गंवाने के बाद वार्नर-लाबुशेन के बीच 69 रनों की साझेदारी हुई। इस साझेदारी को शार्दूल ठाकुर ने तोड़ा। दिन का दूसरा सेशन ऑस्ट्रेलियाई टीम के नाम रहा। इस सत्र में टीम ने एक विकेट खोकर 97 रन बनाए। सत्र की शुरुआत में ही लाबुशेन का विकेट गंवाने के बाद स्टीव स्मिथ ने ट्रेविड हेड के साथ 164 बॉल पर 94 रन की नाबाद साझेदारी की।

दिन के आखिरी सेशन में भी ऑस्ट्रेलियाई बैटर हावी रहे। इसमें भारतीय गेंदबाज एक भी विकेट लेने में नाकाम रहे। तीसरा सेशन विकेटरहित रहा और इसमें 157 रन बने।

76 रन पर तीसरा विकेट गंवाने के बाद ट्रेविस हेड और स्टीव स्मिथ ने ऑस्ट्रेलिया की पारी संभाली। दोनों ने चौथे विकेट के लिए 251 रन से ज्यादा की पार्टनरशिप कर कर चुके हैं। चौथे ही ओवर में पहला विकेट गंवाने के बाद डेविड वार्नर और मार्नस लाबुशेन ने ऑस्ट्रेलिया की पारी संभाली। वॉर्नर ने उमेश यादव के एक ओवर में 4 चौके लगाए, दोनों के बीच 108 गेंद पर 69 रन की साझेदारी हुई। वार्नर 43 रन बनाकर शार्दूल का शिकार हुए और ये पार्टनरशिप टूटी।

मोइन अली ने टेस्ट से रिटायरमेंट वापस लिया

जैक लीच की जगह इंग्लैंड की एशेज टीम में शामिल, सीरीज 16 जून से

नई दिल्ली, 7 जून। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के ऑलराउंडर मोईन अली ने टेस्ट क्रिकेट से अपना रिटायरमेंट वापस ले लिया है। उन्होंने टेस्ट कप्तान बेन स्टोक्स, इंग्लैंड के हेड कोच ब्रैंडन मैकुलम और इंग्लैंड क्रिकेट के मैनेजिंग डायरेक्टर रॉबर्ट कीसे से बातचीत के बाद यह फैसला किया। इंग्लैंड क्रिकेट बोर्ड ने ट्वीट कर इसकी जानकारी दी है। मोईन अली ने साल 2021 में टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया था। हालांकि वनडे और टी-20 में खेलना जारी रखा। अब एशेज सीरीज से पहले उन्होंने अपनी वापसी कर ली है। मोईन अली को स्पिनर जैक लीच के जगह पर टीम में शामिल किया गया है।

16 जून से शुरू होगी एशेज सीरीज

इंग्लैंड के गेंदबाज जैक लीच पीठ के निचले हिस्से में स्ट्रेच फ्रैक्चर के कारण एशेज से बाहर हो गए हैं। लीच की जगह मोईन अली को एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड टीम शामिल किया गया है। एशेज सीरीज की शुरुआत 16 जून से होगी और 31 जुलाई तक यह खेला जाएगा।

मोईन अली का टेस्ट करियर

मोईन अली ने इंग्लैंड के लिए साल 2014 में टेस्ट डेब्यू किया था। इसके बाद सितंबर 2021 में भारत के खिलाफ उन्होंने अपना आखिरी टेस्ट खेला था। उन्होंने इंग्लैंड के लिए कुल 64 टेस्ट मैच खेले जिसमें 5 शतक और 14 अर्धशतक के साथ 2914 रन बनाए। टेस्ट में उनके नाम 195 विकेट हैं।

एशेज सीरीज के लिए इंग्लैंड की टीम

बेन स्टोक्स (कप्तान), जेम्स एंडरसन, जोनाथन बेयरस्टो, मोईन अली, स्टुअर्ट ब्रॉड, हैरी ब्रूक, जैक क्रॉली, बेन डकेट, डैन लॉरेंस, ओली पॉप, मैथ्यू पॉट्स, ओली रॉबिन्सन, जो रूट, जोश टैंग, क्रिस वोक्स और मार्क वुड।

मोहम्मद रिजवान ने अमेरिका में सड़क पर नमाज पढ़ी

2021 टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच के दौरान ग्राउंड पर नमाज अदा की थी

नई दिल्ली, 7 जून। पाकिस्तान क्रिकेट टीम के विकेटकीपर बल्लेबाज मोहम्मद रिजवान ने अमेरिका में सड़क किनारे नमाज पढ़ी। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। रिजवान कप्तान बाबर आजम के साथ हार्वर्ड यूनिवर्सिटी के बिजनेस ऑफ एंटरटेनमेंट, मीडिया और स्पोर्ट्स से जुड़े एक एग्जीक्यूटिव प्रोग्राम में भाग लेने अमेरिका गए हुए हैं। यह प्रोग्राम मैसाचुसेट्स में 31 मई से 3 जून तक हुआ।

रिजवान ने क्लासमेट को दी कुरान

रिजवान और बाबर ने क्लासमेट के साथ फोटो भी शेयर की थी। रिजवान ने क्लासमेट को कुरान भी भेंट की। इसकी फोटो उन्होंने शेयर की।

टी-20 वर्ल्ड कप में भारत-पाक मैच के दौरान रिजवान ने ग्राउंड पर पढ़ी थी नमाज

रिजवान इससे पहले साल 2021 में टी-20 वर्ल्ड कप के दौरान बीच मैदान में नमाज पढ़ते नजर आ चुके हैं। दरअसल साल 2021 में 24 अक्टूबर को भारत और पाकिस्तान के बीच दुबई में टी-20 वर्ल्ड कप के मैच खेले गए थे। भारतीय पारी के दौरान ड्रिंक्स के दौरान रिजवान ने ग्राउंड पर ही नमाज अदा की थी। इस मैच में भारत 10 विकेट से हार गया था। पहली बार भारत को पाकिस्तान से वर्ल्ड कप के किसी फॉर्मेट में हार का सामना करना पड़ा था।

सड़क पर नमाज पढ़ना: भारत में आम, मुस्लिम देशों में गैर कानूनी

सड़क पर नमाज पढ़ना भारत में आम है, लेकिन इस्लामिक देशों में खुले में नमाज पढ़ना गैर कानूनी है। सऊदी अरब में गाड़ी रोककर नमाज पढ़ने को कानून का उल्लंघन माना जाता है।

डब्ल्यूसी फाइनल से पहले कोहली बोले-

ऑस्ट्रेलिया अब टीम इंडिया को हल्के में नहीं लेता, टेस्ट टीम के रूप में भारत को रेस्पेक्ट मिला

नई दिल्ली, 7 जून। वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल से पहले टीम इंडिया के स्टार बल्लेबाज विराट कोहली ने कहा, भारतीय टेस्ट टीम ने ऑस्ट्रेलिया को उसकी ही सरजमीं पर दो बार हराकर सम्मान हासिल कर लिया है, अब टीम इंडिया को एक टेस्ट टीम के रूप में हमें हल्के में नहीं लिया जा सकता। कोहली ने एक स्पोर्ट्स चैनल से कहा, शुरुआत में प्रतिद्वंद्विता काफी कड़ी थी, माहौल भी काफी तनावपूर्ण हुआ करता था। लेकिन जब से हमने ऑस्ट्रेलिया में दो बार जीत हासिल की है, प्रतिद्वंद्विता सम्मान में बदल गई है और अब हमें एक टेस्ट टीम के रूप में हल्के में नहीं लिया जाता है।

उन्होंने आगे कहा, हम उस सम्मान को महसूस कर सकते हैं जब हम ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ खेलते हैं कि हमें उन्हें उनकी सरजमीं पर लगातार दो बार हराया है और यह बराबरी की लड़ाई होगी। भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच बुधवार से द ओवल में फाइनल खेला जाएगा। भारत ने इसी साल मार्च में खेले गए बॉर्डर-गावस्कर सीरीज में ऑस्ट्रेलिया को 2-1 से हराया था।

कोहली ने कहा, मैं उस मानसिकता को समझता हूं कि सभी 11 खिलाड़ियों की सोच एक तरह की है और वे प्रत्येक मौके का फायदा उठाने की कोशिश करते हैं। इसलिए इस टीम (ऑस्ट्रेलिया) के खिलाफ मेरा मोटिवेशन बढ़ जाता है जो इतनी अवेर और कॉम्पिटिटिव है कि मुझे अपने खेल के स्तर को ऊपर उठाना पड़ता है।

भारत के पूर्व कप्तान का मानना है कि फाइनल का नतीजा ओवल में टीमों को परिस्थितियों से तालमेल बिठाने और अपनाने पर निर्भर करेगा। बता दें, ऑस्ट्रेलिया और भारत दोनों का द ओवल में रिकॉर्ड कुछ खास नहीं है। ओवल में ऑस्ट्रेलिया ने अपने 38 टेस्ट मैचों में से सिर्फ सात जीते हैं, वहीं भारत 14 मैचों में सिर्फ दो में जीत हासिल कर पाया है। कोहली ने कहा, ''मुझे लगता है कि ओवल चुनौतीपूर्ण होगा, हमें सपाट विकेट नहीं मिलेगा और बल्लेबाजों को सतर्क रहने की जरूरत है।

उन्होंने कहा, ओवल में बल्लेबाजी के लिए जाते वक्त आप एक खास तरह की कंडिशन की उम्मीद नहीं कर सकते। इसलिए हमें सामंजस्य और तालमेल बैठाना होगा। दोनों टीम के लिए न्यूट्रल वेन्यू पर यह एक मैच है, जो टीम बेहतर तालमेल बिठाएगी, वही जीतेगी। यही की खूबसूरती है। के डेब्यू सीजन के फाइनल में भारत को न्यूजीलैंड से हार मिली। टीम इंडिया फाइनल में दो स्पिनरों के साथ खेलकर गलती की थी, जबकि परिस्थितियां तेज गेंदबाजों के अनुकूल थीं।

पहलवानों के गृहमंत्री से मिलने के बाद बड़ा बदलाव

रेसलर्स की ड्यूटी जॉइन, बृजभूषण पर दिल्ली पुलिस की सख्ती, 9 का खापों का कार्यक्रम रद्द

पानीपत, 7 जून।। रेसलर्य और पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण विवाद में नई संसद भवन के सामने 28 मई को हंगामे और पहलवानों की सामने आने के बाद गृह मंत्रालय एक्टिव हुआ। 4 जून को गृहमंत्री अमित शाह के घर बजरंग विनेश और साक्षी मलिक ने उनसे मुलाकात की जो 2 घंटे चली। इस मुलाकात में कोई तीसरा पक्ष मौजूद नहीं था। बृजभूषण सिंह की गिरफ्तारी की मांग को लेकर 23 अप्रैल से बड़ा प्रदर्शन कर रहे पहलवान अचानक साइलेंट हो गए। इसका बड़ा कारण अमित शाह से मुलाकात माना जा रहा है। इस बड़ा कारण यह भी है कि इसके तुरंत बाद पहलवानों ने अपनी ड्यूटी जॉइन कर ली।

हालांकि बजरंग, विनेश और साक्षी ने साफ किया है कि वह अपनी जिम्मेदारी निभाने के लिए नौकरी पर लौटे हैं, लेकिन इंसाफ के लिए उनकी लड़ाई जारी रहेगी। इस पूरे विवाद की वजह से भाजपा के अंदर भी बेचैनी है। का एक बड़ा धड़ा बृजभूषण सिंह के खिलाफ कार्रवाई के पक्ष में है।

मुजफ्फरनगर के सांसद और केंद्रीय राज्य मंत्री डॉक्टर संजीव बालियान ने पहलवानों से बात की। उनकी मुलाकात केंद्र में एक शीर्ष नेता से कराने का भरोसा दिया। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार, बागपत के सांसद सत्यपाल सिंह भी इस विवाद में मध्यस्थ की भूमिका में नजर आए। केंद्र सरकार किसी भी तरह से पहलवानों के मामले को शांत कराने की ठान चुकी थी, इसलिए पहलवानों के साथ बातचीत का दोतरफा संवाद शुरू हुआ। एक तरफ हरियाणा और दूसरी ओर यूपी के नेता, इसके लिए आगे आए। हरियाणा से जुड़े एक खाप प्रतिनिधि के मुताबिक, जंतर मंतर से लगते केरल हाउस में पहलवानों और केंद्र सरकार के मध्यस्थों की बैठक हुई। यह बैठक मई के अंतिम सप्ताह में हुई थी। यहीं से पहलवानों के साथ अमित शाह की मुलाकात का रास्ता खुला।

शाह की बैठक के लिए हरियाणा से राज्यसभा सांसद कार्तिकेय शर्मा, चरखी दादरी के विधायक सोमबीर सांगवान और भाजपा शासित एक बड़े प्रदेश के राज्यपाल प्रयासरत रहे। खास बात यह है कि हरियाणा से कार्तिकेय शर्मा बतौर निर्दलीय प्रत्याशी, राज्यसभा पहुंचे थे। सोमबीर सांगवान भी निर्दलीय विधायक हैं। उन्होंने गत विधानसभा चुनाव में भाजपा नेता और पहलवान बबिता फोगाट को हराया था।

हरिद्वार में नरेश टिकैत ने पहलवानों से 5 दिन मांगे थे। उन्होंने भरोसा दिलाया था कि इस अवधि में खाप पंचायत एवं किसान संगठन कुछ न कुछ करेंगे। सोरम में हरियाणा, उत्तर प्रदेश और दिल्ली के खाप प्रतिनिधियों की बैठक हुई। माना जा रहा था कि बैठक में कोई बड़ा निर्णय होगा, लेकिन राकेश टिकैत ने कहा, पंचायत ने फैसला ले लिया है और इसकी जानकारी कुरुक्षेत्र में होने वाली खाप पंचायत में दी जाएगी।

खास बात है कि यही वो पंचायत थी, जब पहली बार यह आवाज सुनाई पड़ी कि पहलवानों का आंदोलन हाईजैक हो रहा है। खाप प्रतिनिधियों के बीच मनमुटाव जैसा कुछ दिखा। कुरूक्षेत्र की पंचायत में कुछ खास नहीं हुआ। वहां भी सरकार को 9 जून तक का समय दे दिया। अगर इस अवधि में बृजभूषण सिंह को गिरफ्तार नहीं किया गया तो किसान संगठन एवं खाप पंचायतें, दोबारा से पहलवानों को लेकर जंतर मंतर पर पहुंच जाएंगी। जिस वक्त कुरुक्षेत्र की खाप पंचायत चल रही थी, उसी समय खबर आई कि बृजभूषण सिंह की अयोध्या में होने वाली रैली स्थगित कर दी गई है। ये संयोग नहीं था, बल्कि पहलवानों के आंदोलन में केंद्र सरकार की एंट्री का इफेक्ट था।

एक जून को यूपी के मुज्जफरनगर के सोरम में आयोजित महापंचायत में 5 राज्यों की खापों ने भाग लिया था। यहां पर पहलवान भी पहुंचे थे। इस पंचायत के दौरान खाप प्रतिनिधियों के पास गृह मंत्रालय से कॉल आनी शुरू हुई। जिस कॉल में इस मुद्दे पर बातचीत के जरिए हल निकालने जैसी बात कही गई थी। जिस पर खाप प्रतिनिधियों ने कहा था कि वे इस बारे में पहलवानों से बात करें। उनकी संतुष्टि होनी जरूरी है। उम्मीद जताई जा रही है कि इसी दिन से ही गृहमंत्रालय से खिलाड़ियों को बातचीत के टेबल पर लाने के प्रयास शुरू कर दिए थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, केंद्र पहलवानों की 5 मांगों को मानने को तैयार है। इनमें महिला कुश्ती कैंप लखनऊ से पटियाला, आरोपी कोच को हटाने, को सस्पेंड करने, पहलवानों पर दर्ज दंगे के केस वापस लेने और महिला कुश्ती की कमान किसी महिला को सौंपना शामिल है। केंद्र पहलवानों से बातचीत के लिए 4 मंत्रियों की कमेटी बना रहा है।

15 जून तक होगी बृजभूषण के खिलाफ जांच पूरी : ठाकुर

नयी दिल्ली, 7 जून। केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने प्रदर्शनकारी पहलवानों के साथ छह घंटे तक चली बैठक के बाद बुधवार को कहा कि भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण शरण सिंह के खिलाफ दिल्ली पुलिस की जांच 15 जून तक पूरी हो जायेगी। ठाकुर ने कहा कि डब्ल्यूएफआई के नये अध्यक्ष के चुनाव 30 जून तक होंगे। कुश्ती महासंघ का दैनिक कामकाज फिलहाल भारतीय ओलंपिक संघ की तदर्थ समिति के हाथ में है। ठाकुर ने कहा कि चुनाव होने तक इस समिति में दो कोचों को शामिल किया जायेगा।

ठाकुर ने यहां संवाददाताओं से कहा, मैंने कल सरकार की ओर से पहलवानों को बैठक का न्योता दिया था। लगभग छह घंटे चली इस बैठक में हमने पहलवानों को आश्वासन दिया है कि (बृजभूषण पर) लगे आरोपों की जांच करके 15 जून तक चार्जशीट दायर की जायेगी, और डब्ल्यूएफआई के चुनाव 30 जून तक किये जायेंगे। उन्होंने कहा, कुश्ती महासंघ में शिकायत समिति बनायी जायेगी, जिसकी अध्यक्षता एक महिला करेगी। जब तक कुश्ती महासंघ के चुनाव नहीं होते तब तक आईओए की तदर्थ समिति में दो कोचों को शामिल करने के लिये उनका नाम प्रस्तावित किया गया है। उल्लेखनीय है कि ठाकुर ने मंगलवार देर रात ट्वीट कर कहा था कि पहलवानों को बैठक के लिये आमंत्रित किया गया है। उन्होंने ट्वीट किया था, सरकार पहलवानों से उनके मुद्दों पर चर्चा करने को तैयार है।

// ओवल में डब्ल्यूटीसी फाइनल, ये मैदान इंडिया के लिए खास //

यहीं भारत ने इंग्लैंड को पहली बार उसके घर में हराया

नई दिल्ली, 7 जून।। द ओवल, इंग्लैंड का क्रिकेट ग्राउंड इंडिया के लिए बेहद खास है। इस मैदान पर टीम इंडिया ने ऐसी कई यादगार परफॉर्मेंस दी हैं, जिन्होंने भारतीयों को गर्व से भर दिया। सबसे खास पल तब आया, जब रेडियो पर कान लगाए क्रिकेट फैंस हर बॉल, हर शॉट का लुत्फ उठाते थे। 1971 में भारत को आजाद हुए 24 साल बीत चुके थे। इंडिया की टीम इंग्लैंड दौरे पर गई और 3 मैचों की टेस्ट सीरीज का निर्णायक मैच ओवल के मैदान पर खेला गया। अजित वाडेकर की कप्तानी में भारत ने यह मैच और सीरीज जीती। यह पहली बार था जब भारत ने इंग्लैंड को इंग्लैंड में शिकस्त दी थी। इसी वजह से ओवल का मैदान इंडियन क्रिकेटर्स और फैंस के लिए किसी पवित्र जगह जैसा बन गया। इस मैदान से जुड़ी भारत की खास परफॉर्मेंस...

पटौदी की जगह वाडेकर कप्तान बने, वेस्टइंडीज को हराकर इंग्लैंड आए

नवाब पटौदी की जगह टीम इंडिया की कप्तानी अजित वाडेकर को सौंपी गई थी। वाडेकर की टीम ने फरवरी-मार्च के बीच वेस्टइंडीज की टीम को 5 मैचों की टेस्ट सीरीज में 1-0 से हराया था। इसके बाद टीम जुलाई-अगस्त में इंग्लैंड गई। सीरीज 3 टेस्ट मैच की थी। इंग्लैंड के लॉर्ड्स और मैनचेस्टर में खेले गए मुकाबले ड्रॉ रहे थे और निर्णायक मैच ओवल में 19 से 24 अगस्त के बीच हुआ।

इंग्लैंड ने पहली पारी में 355 का स्कोर बनाया, विकेटकीपर नॉट ने खेली विस्फोटक पारी

इंग्लैंड के कप्तान रे इलिंगवर्थ ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी चुनी और टीम ने 355 का स्कोर बनाया। विकेटकीपर बैटर ऐलन नॉट ने 90 रनों की पारी खेली। उन्होंने इस पारी में 11 चौके और एक छक्का लगाया। भारत की ओर से एकनाथ सोलकर ने 3 विकेट लिए। भारत ने भी टक्कर दी और 284 का स्कोर बनाया। फारूख इंजीनियर ने 59 रन की पारी खेली। इंग्लिश कप्तान इलिंगवर्थ ने 5 विकेट लिए।

चंद्रशेखर का कमाल और इंग्लैंड 101 पर ऑलआउट, रेस्टोरेंट ने सूप का नाम चंद्रशेखर रखा

दूसरी पारी में इंग्लैंड महज 101 रन पर ऑलआउट हो गई। भागवत चंद्रशेखर ने 38 रन देकर 6 विकेट लिए। इंग्लिश बल्लेबाज उनकी लेग ब्रेक और टॉप स्पिन को समझ नहीं सके। अजित वाडेकर ने अपनी ऑटोबायोग्राफी में लिखा था कि चंद्रशेखर का वो स्पेल उनकी जिंदगी का यादगार स्पेल था। मैच खत्म होने के बाद एक इंडियन रेस्टोरेंट ने अपने सूप का नाम चंद्रशेखर सूप रख दिया।

173 का टारगेट मिला, वाडेकर-सरदेसाई के बाद इंजीनियर ने खेली विजयी पारी

भारत को 173 का टारगेट मिला। अजित वाडेकर (45), दिलीप सरदेसाई (40) और गुंडप्पा विश्वनाथ (33) ने अच्छी पारियां खेलीं। पर एक मौके पर इंडिया के 5 विकेट गिर चुके थे और क्रीज पर आए फारूख इंजीनियर। उन्होंने 28 रन की अहम पारी खेली। विश्वनाथ के साथ साझेदारी कर टीम को जीत तक पहुंचाया। हालांकि जीत मिलने तक विश्वनाथ क्रीज पर नहीं थे। 3 रन बाकी रहते वो आउट हो गए। सैयद आबिद अली ने चौका मारकर ऐतिहासिक जीत दिलाई।

एकनाथ सोलकर का सुपर कैच

एक पल ऐसा भी था, जब अजित वाडेकर के माथे पर शिकन थी। वजह थे एलन नॉट, जिन्होंने पहली इनिंग में 90 रन की पारी खेली थी। वाडेकर जानते थे कि वो जीत दूर ले जा सकते हैं। अभी नॉट ने एक रन ही बनाया था। बॉल थमाई गई वेंकटराघवन को और शॉर्ट लेग पर खड़े थे एकनाथ सोलकर। नॉट ने शॉट खेला और गेंद शॉर्ट लेग की तरफ गई। सोलकर ने यादगार कैच पकड़ा। सोलकर ने एक आर्टिकल में लिखा था- मैं बस कूद पड़ा। गेंद उंगलियों में फंस गई और वो गिर भी सकती थी पर किसी तरह मैंने कैच पकड़ लिया। ये यादगार कैच था।

मैदान पर फैंस ले आए थे हाथी

एक और वाकया हुआ था। फाइनल डे पर गणेश चतुर्थी थी और इंडियन फैंस मैदान पर एक हाथी ले आए। फैंस इसे शुभ मान रहे थे और उन्होंने चेसिंगटन चिड़ियाघर से एक हाथी किराये पर लिया था, जो मैच के दौरान मैदान पर भी आया। इसका नाम बेला था। इंडिया मैच भी जीत गया।

ओवल में गावस्कर का दोहरा शतक

लिटिल मास्टर के नाम से मशहूर सुनील गावस्कर ने 1979 में इंग्लैंड दौरे पर चार मैचों की सीरीज के चौथे टेस्ट मैच की दूसरी पारी में ओवल मैदान पर 221 रनों की पारी खेली थी। भारत को जीत के लिए 438 रनों का रिकॉर्ड टारगेट मिला था। गावस्कर 443 गेंदों का सामना कर 21 चौकों की मदद से 221 रन बनाकर आउट हुए। गावस्कर केवल दो रन से चौथी पारी में सर्वोच्च स्कोर का वर्ल्ड रिकॉर्ड बनाने से चूक गए थे। भारत इस मैच में जीत के काफी करीब था, लेकिन उनके आउट होने के बाद ड्रॉ से संतोष करना पड़ा था।

रोहित की शतकीय पारी से जीती थी टीम इंडिया

टीम इंडिया ने ओवल के मैदान पर अपना आखिरी टेस्ट मैच साल 2021 में खेला था। इस मैच में भारतीय ओपनर रोहित शर्मा ने मेजबान इंग्लैंड के खिलाफ खेले गए मैच में 127 रनों की शतकीय पारी खेली थी। रोहित के इस प्रदर्शन के लिए उन्हें प्लेयर ऑफ द मैच चुना गया था। विराट कोहली की अगुआई में टीम इंडिया ने यह मुकाबला

शार्दुल ने लगाया था ओवल में सबसे तेज अर्धशतक

साल 2021 इंग्लैंड दौरे पर टेस्ट सीरीज का चौथा मैच ओवल में खेला गया था। इस मैच में टीम इंडिया के ऑलराउंडर शार्दुल ठाकुर ने 31 गेंदों में अपनी फिफ्टी पूरी की थी। शार्दुल इंग्लैंड में टेस्ट क्रिकेट में सबसे तेज अर्धशतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए थे। इस मामले में उन्होंने इयान बॉथम और कपिल देव जैसे दिग्गजों को पीछे छोड़ दिया था। बता दें कि शार्दुल ने अपनी पारी के दौरान 36 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के की मदद से 57 रन की शानदार पारी खेली थी।